

गोवा विश्वविद्यालय  
शणै गोंयबाब भाषा और साहित्य महाशाला  
हिंदी अध्ययन शाखा

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर हिंदी

पाठ्यक्रम: HIN-527

पाठ्यक्रम का शीर्षक: हिंदी क्षेत्रों में अध्ययन-यात्रा

श्रेयांक: 02 (30)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	अध्ययन-यात्रा में रुचि होना अपेक्षित है।	घंटे
उद्देश्य	<ul style="list-style-type: none"><li>विद्यार्थियों को अध्ययन-यात्रा के स्वरूप से परिचित कराना।</li><li>क्षेत्र-विशेष के भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्त्व से परिचित कराना।</li><li>छात्रों में दल-निष्ठा, नेतृत्व क्षमता, साहस, आत्मविश्वास, अवलोकन और शोध-प्रवृत्ति को परखना एवं विकसित कराना।</li><li>पुरातात्त्विक संदर्भ और साक्ष्य को एकत्र करना।</li></ul>	
पाठ्य विषय	<ul style="list-style-type: none"><li>अध्ययन-यात्रा: स्वरूप एवं विशेषताएँ</li><li>पूर्व योजना: टिकट आरक्षण, सामान बाँधना, स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन, जाँच-सूची, ऑनसाइट रेखाचित्रण, फोटोग्राफी, वीडियो आदि का संक्षिप्त परिचय।</li></ul>	04
	<ul style="list-style-type: none"><li>निर्धारित रचनाएँ:<ol style="list-style-type: none"><li>राहुल सांकृत्यायन: घुमक्कड़ शास्त्र</li><li>कृष्णा सोबती: बुद्ध का कमंडल लदाख</li></ol></li><li>हिंदी क्षेत्र: दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश (इसमें से किसी एक क्षेत्र में अध्ययन-यात्रा कर वहाँ की भौगोलिक संरचना, ऐतिहासिक महत्त्व, परिवेश, लोक-</li></ul>	02  20

	<p>जीवन, बोली-भाषा, खाद्य-संस्कृति, साहित्य, नृत्य, वास्तुकला, समस्याओं आदि का अध्ययन करना अपेक्षित है)</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● अध्ययन-यात्रा से संबंधित रिपोर्ट लेखन</li> </ul>	<b>04</b>
<b>अध्यापन विधि</b>	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, स्वाध्याय, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुतीकरण।	
<b>निर्धारित पाठ्य सामग्री</b>	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. सांकृत्यायन, राहुल. घुमक्कड़शास्त्र. किताब महल, नई दिल्ली, 2020.</li> <li>2. सोबती, कृष्णा. बुद्ध का कमंडल लदाख. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012.</li> </ol>	
<b>संदर्भ ग्रंथ सूची</b>	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. चंद्र, मोती. काशी का इतिहास. विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1985.</li> <li>2. जोशी, मनोहर श्याम. लखनऊ मेरा लखनऊ. वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2002.</li> <li>3. रुसवा, मिर्जाहादी. लखनऊ की नगर वधू. शरद प्रकाशन, दिल्ली, 1976.</li> </ol>	
<b>अधिगम परिणाम</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>● विद्यार्थी अध्ययन-यात्रा के स्वरूप को समझेंगे।</li> <li>● क्षेत्र-विशेष के भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्त्व से परिचित होंगे।</li> <li>● छात्र अपने अंदर दल-निष्ठा, साहस, आत्मविश्वास, अवलोकन, नेतृत्व क्षमता, और शोध-प्रवृत्ति आदि को परखेंगे और उसे विकसित करेंगे।</li> <li>● पुरातात्विक संदर्भ और साक्ष्य को एकत्र करेंगे।</li> </ul>	